



खंड - क
(अपठित अंश)

६९

- १) क) मनुष्य के जीवन में कौन-सा कार्य करने योग्य है और कौन-सा नहीं, इसका फैसला मनुष्य को स्वयं ही करना चाहिए। जिस कार्य को करने के लिए मन गवाही न दे, वह कार्य हमारे लिए योग्य नहीं है। (२)
ख) अनुभवी लोगों की बातों को सुने उन्हें सम्मान दे। बुद्धिमान लोगों की सलाह को माने और उनके प्रति कृतज्ञता का अनुभव करे। (२)
ग) मनुष्य को विचारशील होना चाहिए। हर काम सोच-विचारकर करना चाहिए। गंभीरता से विचार करने के बाद ही कार्य को करने का या न करने का विचार करना चाहिए। (२)
घ) व्यवहार में कोमल, उद्देष्य ऊँचे रखने चाहिए, लक्ष्य को ऊपर रखना। (२)
ङ) हमेशा सत्य बोलने की अपने वचन से पीछे न हटने की। (१)
च) दृढ़ - निश्चय (१)

खंड - ख
(व्यावहारिक व्याकरण)

७१

- २) वाक्य में प्रयुक्त शब्द पद कहलाता है।
उल्लागीचे में फूल ___ खिले है। (१)
अथवा
वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते है।
उल्लाच्चे ___
वाक्य में प्रयुक्त शब्द पद कहलाता है।
उल्लाच्च्व ___ मैदान में खेल रहे है।
- ३) i) क) बिना संतुलन के - अव्ययीभाव समाजस (२)
ख) कांति से हीन - तत्पुरुष समाजस
ग) सतसई - सात सौ दोहों का समूह द्विगु समास
ii) क) मेघनदा - बहुव्रीहि समास
ख) मनचाहा - तत्पुरुष समास
ग) शिक्षा - दीक्षा - द्वद्व समास
- ४) क) जो झूठ बालते हैं, उन्हें कोई पसंद नहीं करता। (४)
ख) मेहनती लोगो का हमेशा तारीफ होती हैं।
ग) वह सच्चा है इसलिए किसी से नहीं दबता।
घ) संयुक्त वाक्य
- ५) अशुद्धि संशोधन (४)
क) बच्चों ने परीक्षा नहीं दी।
ख) एक कहानी की किताब चाहिए।

- ग) मेरा भाई मुझे पढ़ा रहा है ।
घ) हम आम खा रहे हैं ।
ङ) मोहन ने अखबार पढ़ लिया है ।

६) उचित वाक्य पर अंक दिए जाएँगे । (४)

खंड - ग

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

(२)

- ७) क) ततौरा को वामीरों की माँ तथा गाँववालों ने अपमानित किया क्योंकि दोनों एक गाँव के नहीं थे । (२)
ख) शुद्ध सोना नरम होता है । उसमें चमक भी कम होती है । गिन्नी के सोने में ताँबे की मिलावट होती है । वह शुद्ध सोने की तुलना में मज़बूत होता है । (२)
ग) पुलिस ने जगह-जगह गश्त लगाई थी, पुलिस कमिश्नर को नोटिस था कि अमूक-अमूक धारा के अनुसार सभा नहीं हो सकती । मैदानों में भी पुलिसों की लारियाँ खड़ी थी । (२)
घ) बड़ा भाई किताबों के हाशिए पर या कापियों पर चिड़ियों, कुत्तों, बिल्लियों की तसवीरें, वाक्य दस-बीस बार लिखना, व्यर्थ की बातें लिखना । इनका उद्देश्य था - थके हुए दिमाग को आराम देना । (२)
- ८) समुद्री तूफान आए, भूकंप आए, आँधियाँ आई, बाढ़ें आई, गर्मी अत्याधिक बढ़ी, असमय बरसातें हुई तथा नए-नए रोग उत्पन्न हुए । पशु-पक्षी घर से बेघर हुए । (५)

अथवा

शुद्ध आदर्श में किसी तरह का समझौता नहीं होता । वह पूर्णतः शुद्ध होता है । इसलिए उसे शुद्ध सोना कहा गया है । व्यावहारिक के नाम पर आदर्शों से समझौता किया जाता है । उसमें खोट तथा मिलावट होती है ।

- ९) क) वर्षा ऋतु में पर्वत के तालाब जल से भर गए हैं । तालाब के अंदर पहाड़ का प्रतिबिंब दिखाई दे रहा है। नीकले आकार वाला पहाड़ तालाब रूपी दर्पण, हजारों फूल रूपी नयन । (२)
ख) जो संसार में रहकर ईश्वर पर विश्वास नहीं करता । जो ईश-कृपा को छोड़कर और पाने के लिए अधीर रहता है और सदा अशांत रहता है । (२)
ग) ये अक्सर - १५ अगस्त और २६ जनवरी । इन दिनों पूरा राष्ट्र देश की आज़ादी को याद करता है । गुलामी का अनुभव भी कराती है । (२)
घ) हिरण्यकश्यप अत्याचारी राजा था । उसका पुत्र प्रल्हाद उसे ईश्वर नहीं मानता । प्रल्हाद को मारने के बहुत प्रयत्न किए । हिरण्य कश्यप को वरदान प्राप्त था कि वह न पशु से मरेगा न मनुष्य से । भगवान ने हिरण्य कश्यप को मारने के लिए आधानगर और आधा पशु का रूप धारण किया । (२)
- १०) इसका अर्थ है स्वयं अपनी सुरक्षा करना । यहा कवि ईश्वर से सहायता नहीं माँगता । दुख से बचाने के लिए नहीं पुकारता । दुख से बचने और उबरने योग्य बनना चाहता है । वह केवल स्वयं को समर्थ बनाना चाहता है । ()

अथवा

जोश भरना तथा देशभक्ति की भावना भरना । भीषण कष्ट और संकट सहन करना, शत्रुओं से मुकाबला करना देश की धरती को दुलहन मानकर उस पर फिदा हो जाएँ । देश के लिए खून की नदी बहा दें । काफिले सजाकर शत्रु के साथ संघर्ष करें ।

श्रीमान फूलों के खिलने, खिलने खूब खेला करता था । स्कूल को कैदखाना मानते थे । उनको और कूकुरों के साथ खेलते । तालाब में कूदना । खूब-उ ()

श्रीमान फूलों के खिलने, खिलने खूब खेला करता था । स्कूल को कैदखाना मानते थे । उनको

और कूकुरों के साथ खेलते । तालाब में कूदना । खूब-उ ()

श्रीमान फूलों के खिलने, खिलने खूब खेला करता था । स्कूल को कैदखाना मानते थे । उनको ()

खंड - घ
(लेखन)

(३)

१२) **अनुच्छेदन**
रूप - २ अंक
विषय वस्तु - २ अंक
भाषा - २ अंक

६) (

१३) **घ लेखन**
रूप प्रारूप - २ अंक
विषय वस्तु - २ अंक
भाषा - १ अंक

५) (

१४) **संवाद लेखन**
भाषा शैली - २ अंक
विषय वस्तु - ३ अंक

(५)

१५) **सूचना लेखन**
रूप प्रा अंक
विषय वस्तु - ३ अंक

५) (

१६) **विज्ञापन लेखन**
रूप - २ अंक
विषय वस्तु - २ अंक
भाषा - १ अंक

५) (

~0~0~0~0~0~

Home of innovative education...